MAHARAJA KRISHNAKUMARSINHJI BHAVNAGAR UNIVERSITY(With effect from Academic Year 2021-22)

बी.ए. द्वितीय वर्ष (हिन्दी) सेमेस्टर-4
छायावादोत्तर हिन्दी काव्य
मुख्य एवं प्रथम गौण
प्रश्नपत्र-8. HIN.C.C.....E.C.....

प्रतिपाद्य :

आधुनिक हिन्दी कविता के परिवर्तनशील प्रवाहो में छायावादोत्तर कविता का विशिष्ट स्थान रहा है | प्रगतिवादी एवं प्रयोगवादी कविताओं का संवेदन पक्ष एवं शिल्प के आधार पर अंदाज कुछ अलग ही है | हिन्दी साहित्य की काव्यधारा में इस नये प्रवाह की कविताओं और कवियों की लाक्षणिकताओं से छात्रों को अवगत कराना आवश्यक है | छात्र इन काव्यधाराओं से परिचित होकर हिन्दी काव्य की श्रीवृद्धि से परिचित होंगे |

पाठ्यपुस्तकें : 1. छायावादयुगीन कविताएँ- संपादक- डॉ.आलोक गुप्त
जयभारती प्रकाशन 267-बी मुट्ठीगंज, माया प्रेस, इलाहाबाद-3
2. छायावादोत्तर काव्य संचयन- संपादक- डॉ.शारदा रंजन शुक्ल, डॉ.राकेश शुक्ल
ज्ञानोदय प्रकाशन, पीरोड़, कानपुर |
3. आँचल के मोती- द्वारकाप्रसाद साँचीहर
आकार प्रकाशन, पत्रकार कॉलोनी, नारायणपुरा, अहमदाबाद-380013

पाठ्यवस्तु :

युनिट-1 1.1 सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' के व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्यापन |

1.2 निम्नलिखित काव्यों का भावगत-शिल्पगत तथा स-संदर्भ व्याख्या एवं टिप्पणियाँ आदि का अध्यापन |

कविताएँ : 1) नदी के द्वीप 2) बावरा अहेरी
3) ये दीप अकेला 4) कलगी बाजरे की

कक्षा अध्यापन 12 घंटे, अंक 18

युनिट-2 2.1 सुदामापाण्डेय 'धूमिल' के व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्यापन |

2.2 निम्नलिखित काव्यों का भावगत-शिल्पगत तथा स-संदर्भ व्याख्या एवं टिप्पणियाँ आदि का अध्यापन |

कविताएँ : 1) बीस साल बाद 2) अकाल दर्शन

3) रोटी और संसद 4) मोचीराम

कक्षा अध्यापन 12 घंटे, अंक 18

युनिट-3 3.1 धर्मवीर भारती के व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्यापन |

3.2 निम्नलिखित काव्यों का भावगत-शिल्पगत तथा स-संदर्भ व्याख्या एवं टिप्पणियाँ आदि का अध्यापन |

कविताएँ : 1) पराजित पीढ़ी का दर्द 2) टुटा पहिया

3) नया रस 4) फूल,मोमबत्तियाँ,सपने

कक्षा अध्यापन 11 घंटे, अंक 17

युनिट-4 4.1 द्वारिकाप्रसाद साँचीहर के व्यक्तित्व-कृतित्व का अध्यापन |

4.2 निम्नलिखित काव्यों का भावगत-शिल्पगत तथा स-संदर्भ व्याख्या एवं टिप्पणियाँ आदि का अध्यापन |

कविताएँ : 1) मेरे पाँव नहीं मिट्टी के 2) मैं शोला हूँ, मैं बिजली हूँ

3) नहीं पशु सा पाश चाहिए 4) औरत तो आरती है मन्दिर की

कक्षा अध्यापन 10 घंटे, अंक 17

<u>प्रश्नपत्र का प्रारूप</u>

लिखित परीक्षा 70 अंक

आंतरिक मूल्यांकन :

1. कसौटी - 15 अंक | (10 अंक निबंधलक्षी प्रश्न और 5 अंक के लघुत्तरी प्रश्न)
2. स्वाध्याय/प्रस्तुतीकरण - 10 अंक |
3. उपस्थिति - 05 अंक |

कुल - 30 अंक

1.1 30 अंक की कसौटी के अंतर्गत 4 इकाइयों से 4 प्रश्न होंगे और प्रश्नों के अंक क्रमशः 08+08+07+07=30 रहेंगे |

1.2 स्वाध्याय कम से कम 15 पृष्ठों में लिखा हुआ होना अनिवार्य है |

सूचना : आंतरिक एवं लिखित परीक्षा का विश्वविद्यालय द्वारा निर्दिष्ट प्रश्नपत्र प्रारूप पाठ्यक्रम के अंत में दिया गया है |

संदर्भ ग्रन्थ :

1. धर्मवीर भारती और उनका काव्य, प्रो.लक्ष्मणदत्त गौतम, अशोक प्रकाशन, दिल्ली |
2. हिन्दी कविता तीन दशक, रामदरश मिश्र, ज्ञानभारती प्रकाशन, दिल्ली-9 |
3. धुमिल और परवर्ती जनवादी कवि, श्रीराम त्रिपाठी, रंगद्वार प्रकाशन, अहमदाबाद |
4. साठोत्तरी हिन्दी कविता की वस्तुचेतना, डॉ.बादामसिंह रावत, गिरनार प्रकाशन, महेसाणा-01 |
5. नये प्रतिनिधि कवि, डॉ.हरिचरण शर्मा, पंचशील प्रकाशन, कानपुर |
6. हिन्दी कविता के विविध भाव संवेदन, यूनुस.ए.गाहा, साधना प्रकाशन, कानपुर |
7. गुजरात का स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी लेखक, सं.डॉ.रघुवीर चौधरी, पार्श्व प्रकाशन, अहमदाबाद-01 |
8. नई कविता के नए कवि, विश्वंभर मानव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद |